SHAH CLASSES®
CULTIVATING SUCCESS SINCE 1998

विषय : हिंदी
कक्षा : १० वी

Prelim Question Paper - 1

कुल अंक : ८०
समय : ३ घंटे

विभाग १ - गद्य : २० अंक

प्र.१ (अ) निम्नलिखीत पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

१) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

i)

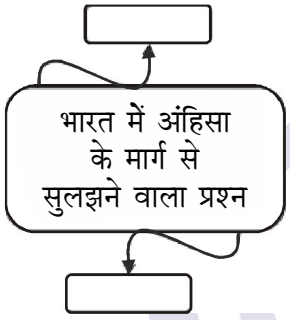

ii)

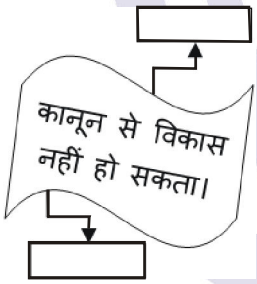

स्वतंत्र नहीं रह सकता, किसी-न-किसी प्रकार उसे पराधीन रहना होगा । हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है । हम शरीर श्रम करना नहीं चाहते, उसे हीन दृष्टि से देखते हैं और जिनको शरीर श्रम करना पड़ता है, उन्हें समाज में हीन दर्जे का मानते है । अमीर या गरीब, कोई गरीब भूख कि लाचारी से श्रम करता है । हमें यह वृत्ती बदलनी चाहिए । शरीर श्रम की केवल प्रतिष्ठा स्थापित कर संतोष नहीं मानना है । उसके लिए दिल में प्रीति होनी चाहिए । आज श्रमिक भी कर्तव्यपरायण नहीं रहा है । श्रम की प्रतिष्ठा बढ़ाना उसी के हाथ है । जिस श्रम में समाज को जिंदा रखने की क्षमता है, उस श्रम का सही मूल्य अगर श्रमिक जान लेगा तो देश में आर्थिक क्रांति होने में देर नहीं लगेगी ।

गांधीजी ने श्रम और श्रमिक की प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए ही रचनात्मक कार्यो को लोक चेतना का माध्यम बनाया । उनकी मान्यता के अनुसार हरेक को नित्य उत्पादक श्रम करना ही चाहिए । यह उन्होने श्रम और श्रमिक की प्रतिष्ठा कायम करने के लिए किया ।

अब कुछ समय से जगत के- सामने दया की जगह समता का विचार आया है । यह विषमता कैसे दूर है? कहीं-कहीं लोंगो ने हिंसा का मार्ग ग्रहण किया उसमें अनेक बुराइयाँ निकली जो अब तक दूर नहीं हो सकी है । विषमता दूर करने में कानून भी मदद देते है परंतु कानून से मानवोचित गुणों का सद्भावना का विकास नहीं हो सकता । महात्मा जी ने हमें जो अहिंसा की विचारधारा दी है, उसके प्रभाव का कुछ अनुभव भी हम कर चुके हैं । भारत की परंपरा का खयाल करते हुए यह संभव दिखता है कि विषमता का प्रश्न बहुत कुछ हद तक अहिंसा के इस मार्ग से हल हो सकना संभव है । इसमे धनिकों से पूरा सहयोग मिलना चाहिए । जैसे राजनीतिक स्वराज्य का प्रश्न काफी हद तक अहिंसा के मार्ग से सुलझा वैसे ही आर्थिक और सामाजिक का प्रश्न भी भारत में अहिंसा के मार्ग से सुलझेगा, ऐसी हम श्रद्धा रखें।
('राजनीति का विकल्प' से)

२) वाक्य पूर्ण कीजिए । १

i) गांधीजी ने श्रम और श्रमिक की प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए माध्यम बनाया -

ii) किस के बल पर दूसरों से काम चला लेते हैं-

३) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए । १

श्रमिक भी कर्तव्यपरायण रहा है ।-

४) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचान कर लिखिए । १

i) बच्चा - .....

ii) धनिक - .....

५) गद्यांश में से योजक शब्द ढूंढकर लिखिए । १

i) .....

ii) .....

६) स्वमत :- २

शारीरिक श्रम स्वास्थ के लिए अति उत्तम 'विषय पर' अपने विचार लिखिए ।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- २

i) अंजुना बीच ii) बेनालियम बीच

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहूँचे । गोवा में छोटे-बड़े करीब ४० बीच हैं लेकिन प्रमुख सात या आठ ही हैं। अंजुना बीच नीले पानीवाला, पथरीला बहुत ही खूबसूरत है। इसके एक ओर लंबी-सी पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। समुद्र तक जाने के लिए थोड़ा नीचे उतरना पड़ता है। नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है। पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों में कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमजोर भी हो गए हैं। साथ ही समुद्र के काफी पीछे हट जाने से कई पत्थरों के बीच में पानी भर गया है। इससे वहाँ काई ने अपना घर बना लिया है। फिसलने का डर हमेशा लगा रहता है लेकिन संघर्षो में ही जीवन है, इसलिए यहाँ घूमने का भी अपना अलग आनंद है। यहाँ युवाओं का दल तो अपनी मस्ती में डूबा रहता है, लेकिन परिवार के साथ आए पर्यटकों का ध्यान अपने बच्चों को खतरों से सावधान रहने के दिशा निर्देश देने में ही लगा रहता है। मैंने देखा कि समुद्र किनारा होते हुए भी बेनालिया बीच तथ अंजुना बीच का अपना-अपना सौंदर्य है। बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है। यह मछुआरों की पहली पसंद है।

2) एक- एक शब्द में उत्तर लिखिए । २

i) गोवा के छोटे-बड़े बीच की संख्या.....

ii) काई ने यहाँ घर बना लिया था.....

iii) अपने बच्चों को खतरों से सावधान कराने वाले.....

iv) गोवा बेनालियम बीच इनकी पहली पसंद है....

3) i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूंढकर लिखिए। १

1) बदसूरत × 2) नापसंद ×

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए : १

1) कमजोर..... 2) आनंद

4) अपने द्वारा किए हुए पर्यटन का एक अनुभव २५ से ३० शब्दों में लिखिए: २

5) स्वमत :- २

''सफल जीवन के लिए श्रम अनिवार्य है ।''

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) उचित विकल्प चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए । २

१) हिंदी हमारी .....है ।
(राजभाषा/प्रांतीय भाषा/राष्ट्रभाषा)

२) हिंदी हमारे विचारों के ..... का सरल माध्यम है ।
(आदान-प्रदान/लेन-देन)

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है । यह हमारी अस्मिता की पहचान है। हिंदी हमारे विचारों के आदान-प्रदान का सरल माध्यम है । हम यह झूठा वहम पाले हुए है कि बिना अँग्रेजी सीखें हम हीन समझे जाएँगे । सभी देश अपनी भाषा का प्रयोग कर गौरव का अनुभव करते हैं । अंग्रेजी को ज्ञान-विज्ञान का वातायन कहना भी निरी मूर्खाता है । रूस, जापान, चीन, फ्रांस आदि देश अपनी-अपनी भाषा का प्रयोग कर आगे बढ़े हैं। अंग्रेजी का प्रयोग करनेवालों से वे कम नहीं है । अब हिंदी भाषा में प्रत्येक विषय पर अच्छी पुस्तकें उपलब्ध हैं । अब तो बस पक्के इरादे की आवश्यकता है । हमें हिंदी के प्रयोग का भाव रखना चाहिए । इसी

से हमारी एकता मजबूत होगी और राष्ट्र का विकास होगा ।

2) स्वमत : २

''राष्ट्रभाषा हिंदी'' पर ८ से १० वाक्यों में अपने विचार लिखिए ।

विभाग २ पद्य - अंक १२

प्र.२ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- ६

1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- २

१) कृष्ण भक्ति से मीरा द्वारा की गई कृतियाँ
↓
कुल मर्यादा छोड़ना
↓
[ ]
↓
[ ]
↓
स्वामी का नाम जपना

पद्यांश में जाए द्रव्यवाचक संज्ञा/खाद्य पदार्थ

२) [ ] [ ]

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरों न कोई
जाके सिर मोर मुकुट, मेरी पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढि लिया छाछ पिये कोई ।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरधर तारो अब मोही ।।

2) वचन न बदलने वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए। २

१) ..... २) .....
३) ..... ४) .....

3) स्वमत :- २

पद्यांश के प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- ६

1) i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- १

पद्यांश मे आए दो जीव → [ ]
→ [ ]

ii) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए । १

क) नए पत्ते आ गए हैं

ख) पृथ्वी संपन्न हो गई है -

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई । बेद पढ़हि जनु बटु समुदाई ।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका । साधक मन जस मिले बिबेका ।।
अर्क-जवास पात बिनु भयऊ जस सुराज खल उद्यम गयऊ ।।
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी । करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी ।।
ससि संपन्न सोह महि कैसी उपकारी कै संपति जैसी ।।
निसि तम घन खद्योत बिराजा । जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ।।
कृषी निरावहिं चतुर किसाना । जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना ।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं । कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं ।।
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा । प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा ।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना । जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना ।।
कबहुँ प्रबल बह मारुत, जहँ-तहँ मेघ बिलाहीं ।
जिमि कपतु के उपके, कुल सद्धर्म नसाहिं ।।
कबहुँ दिवस महँ निबिड़ तम, कबहुँक प्रकट पतंग
बिनसइ - उपजइ ग्यान जिमि,पाइ कुसंग-सुसंग ।।

2) निम्न शब्दो के लिए पद्यांश में प्रयुक्त शब्द है। २

१ i) धरती - .....
ii) बालक - .....

२ i) पक्षी - .....
ii) गुस्सा - .....

3) पद्यांश के प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। २

विभाग ३ पूरक पठन : ८ अंक

प्र. ३ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- ४

1) वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए :- २

i) एकाएक पैर ठिठक गए ।

ii) गरीब से तो रुपये के लिए झिक-झिक करते हैं ।

iii) दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे ।

iv) मन में सुकून-सा महसूस होने लगा था ।

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी । दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था । सोचा इस लिजलिजे और घुटनेभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ो पर बिताएँ ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े । दो-तीन दिनों में ही मन में सुकून-सा महसूस होने लगा था । वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे-भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाडों की नीरवता में हल्का सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे ।

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे । एक भुट्टेवाला आया और बोला - ''साब, भुट्टा लेंगे । गरम-गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा । सहज ही पूछ लिया - ''कितने का है?''

''पाँच रूपये का ।''

''क्या? पाँच रूपये में एक भुट्टा । हमारे शहर में तो दो रूपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो ।''''नहीं साब,''पाँच से कम में तो नहीं मिलेगा....'' ''तो रहने दो....'' हम आगे बढ़ गए

एकाएक पैर ठिठक गए और मन में विचार उठा कि हमारे जैसे लोग पहाडों पर घूमना का शौक रखते हैं हजारों रूपये खर्च करते हैं, अच्छे होटलों में रूकते हैं जो बड़ी दूकानों में बिना दाम पूछे खर्च करते हैं पर गरीब से दो रूपये के लिए झिक-झिक करते हैं, कितने कंगाल हैं हम । उल्टे कदम लौटा और बीस रूपये में चार भुट्टे खरीदकर चल पड़ा अपनी राह । मन अब सुकून अनुभव कर रहा था ।

2) स्वमत:- २

''प्रकृति वैभव का भंडार है ।''

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए। ४

i) तम - .....

ii) पुष्प / सुमन .....

2) लिंग पहचानकर लिखिए । १

i) प्रकाश - .....

ii) नैया - .....

घना अँधेरा चमकता प्रकाश और अधिक।	....
....	करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा ।
जीवन नैया मँझधार में डोले, सँभाले कौन?	....
....	रंग-बिरंगे रंग-सग लेकर आया फागुन
काँटो के बीच खिलखिलाता फूल देता प्रेरणा ।	....

3) स्वमत :- २

''कर्म ही पूजा है''

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : १४ अंक

प्र. ४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- १

<u>बाबू समस्वरुप</u> आपने मेरे साथ दगा <u>किया है</u> ।

२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- १

i) बिल्कुल - .....

ii) भाँति - .....

३) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक):- १

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) यथार्थ	.....	.....
ii) स्वाभिमान	.....	.....

४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) १

i) मैंने कंप्यूटर को खरीद लिया है ।

ii) उसने सुंदर आकृति देख ली ।

५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीया' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) १

क्रिया	प्रथम प्रेरणासार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) टहलना	.....	टहलवाना
ii) चलना	चलाना	.....

६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर ाावक्य फिर से लिखिए :- १

गलती पकड़े जाने पर कमल <u>लज्जित हो गया</u> ।

(झेंप, जानाा, थर-थर काँपना, चैन न मिलना, अपेक्षा करना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरो का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजीए ।

i) चाँदनी में नहाना -

ii) सिर पर सवार होना -

७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचान कर उसका भेद लिखिए :- १

i) राम ने रावण को तीर से मारा ।

ii) उन्हें आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखा था ।

८) वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए :- १

i) जी हाँ में कॉलेज में पढ़ी हूँ ।

ii) दाँत भी थे नाखून के बाद ही उनका स्थान था ।

९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) २

i) वे बहुत टिकते है । (पूर्ण भूतकाल)

ii) खाना-पिना छूट गया (सामान्य भविष्यकाल)

iii) वह मेज पर दूध रखती है । (पूर्ण भूतकाल)

१०) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए:- १

आजकल खूबसूरती का सवाल बेढब हो गया है ।

ब) १) सूचना के अनुसाार परिवर्तन कीजिए :-

तुम्हें अपने शिक्षक की बात माननी चाहिए । (आज्ञार्थक वाक्य)

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- २

i) आवाज बहू के कान में पहुँचा ।

ii) दोनों शिकारियों नीचे उतरा ।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : २६ अंक

प्र.५ (अ) पत्रलेखन - ५

निम्नलिखित जानकरी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए :- ५

अमेय/अमेया त्रिवेदी, ९, मयूर कॉलोनी, नाशिक से अपने मित्र/सहेली समीर/समीरा पाटील ३/३७ आनंद नगर, संगमनेर को उसके जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल न होने का कारण बताते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

शिवाजी विद्यालय, रत्नागिरी, विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते 'स्वच्छ गाँव, सुन्दर गाँव' योजना के अन्तर्गत लेख प्रकाशित करने हेतू, संपाद 'जागृति' रत्नागिरी को पत्र लिखिए।

२) गद्य आकलन - ४

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

शिक्षा मानव के विकास का प्रमुख आधार है । शिक्षा विहीन व्यक्ति पशु के समान जीवन यापन करता है । व्यक्ति में अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं । शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक और धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं

व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है । नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्तकर आगे बढ़ते रहे हैं । आवश्यकता है प्रोढ़ो को शिक्षा प्रदान करने की अथवा १४ वर्ष की आयु से अधिक वाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित है अथवा हम कह सकते ह कि वे सभी व्यक्ति जो समय से प्राप्त नहीं करवा पाते और न ही भोला-भाला किसान जो अपनी उपज जा उचित मूल्य प्राप्त नहीं कर पाता ।

(आ) १) वृत्तांत लेखन - ५

आपके क्षेत्र में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसका वृत्तांत लिखिए । (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है ।)

अथवा

कहानी लेखन - ५

निम्नलिखित मुद्दो के आधार पर लगभग ७० ते ८० शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए :-

एक शरारती लड़का - पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं - माता - पिता, गुरुजनों का समझाना - कोई असर नहीं - परीक्षा में अनुत्तीर्ण - माता - पिता का फटकारना - घर छोड़ना - निराश होकर पहाड़ी मंदिर में पहुँचना - दीवार पर एक चींटी को दाना पकड़कर चढ़ते हुए देखना कई बार गिरकर चढ़ना, चढ़कर गिरना - हिम्मत न हारना ।

आखिर चढने में सफल - प्रेरणा पाना - उत्साह बढना - घर आकर पढाई में जुट जाना - आगे चलकर बडा विद्वान बनना - सीख

(२) विज्ञापन लेखन - ५

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए ।

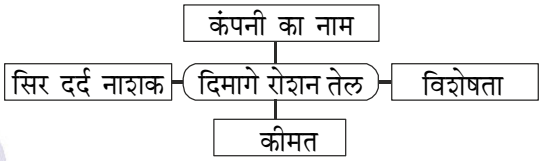

(इ) निबंध लेखन - ७

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए :

(१) 'हिंदी भाषा का महत्व'

(२) मनुष्य वही जो मनुष्य के लिए मरे (परोपकार)

(३) मेरा भारत महान

***